छत्तीसगढ़ का प्रथम ओडीएफ ब्लॉक अंबागढ़ चौकी

राजनांदगांव जिले के वनाचल का आदिवासी विकासखंड अंबागढ़ चौकी अब स्वच्छता का नया गढ़ बन गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से राष्टपिता महात्मा गांधो की 150वीं जयंती के पहले गांवों को खुले में शौचमुक्त बनाने का आहवान किया। तो यह बात दिल्ली से निकलकर अंबागढ़ चौकी ब्लॉक के गांवों में फैल गई। आदिवासी अंचल में **स्वच्छता जन आंदोलन** बन गया।

अंबागढ़ चौकी विकासखंड के 69 ग्राम पंचायतों के 151 गांवों के समुदाय ने खुले में शौच मुक्त होने हेतु अपने घरों में शौचालय का निर्माण कराया और **समुदाय संचालित संपूर्ण स्वच्छता** का मार्ग प्रशस्त किया। इस आदिवासी विकासखंड का एकमात्र नगर पंचायत **अंबागढ़ चौकी** खुले में शौचमुक्त होने वाला **छत्तीसगढ़ का पहला शहर** बन गया। नक्शे में कछुए की आकार का दिखने वाला अंबागढ़ चौकी विकासखंड शौचालय निर्माण में छत्तीसगढ़ के सभी क्षेत्रों से आगे निकल गया। अंबागढ़ चौकी विकासखंड के प्रायमरी, मीडिल, हाईस्कूल एवं हायरसकेंडरी स्कूल एवं आंगनबाड़ियों में न केवल शौचालय का निर्माण किया गया बल्कि इन शौचालयों का समुचित उपयोग भी समुदाय ने सुनिश्चित कराया। अंबागढ़ चौकी विकासखंड के 98 हजार 99 लोगा की बड़ी आबादी ने खुले में शौच की प्रथा को अलविदा कह दिया है।

मरारपारा बस्ती के बाशिन्दों ने बिना किसी सरकारी मदद के सबसे पहले अपन घरों में शौचालय बनाकर अंबागढ़ चौकी विकासखंड को स्वच्छता की राह दिखाई। यह गांव महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर 2014 को खुले में शौचमुक्त बन गया। खुले में शौचमुक्त होने पर ग्रामीणों ने त्यौहारों जैसी खुशियां मनाई। अंबागढ़ चौकी ब्लॉक के जादूटोला ग्राम को पुराने समय में चमत्कार दिखाने वाले लोगों के गांव के रूप में जाना जाता था। लेकिन नई पीढ़ी के लोग जादुई मंत्रों को भुल चुके थे। लेकिन इस गांव में जादू नये अवतार में लौट आया। **सफेद टॉयलेट के मैजिक** से जादूटोला गांव से मानव मल खुले खेत, सड़क के किनारे एवं मैदानों से गायब हो गया है।

राघोटोला गांव के 83 वर्षीय वृद्ध भिवाजी चांग के परिवार मे लड़की की शादी हुई तो पड़ोसी राज्य महाराष्ट के बाहर के मेहमान आने वाले थे। भिवाजी कांग ने सोंचा कि महिला रिश्तेदार शौच के लिये कहां जंगल–झाड़ी में जाएंगो। उन्होने मेहमानों के लिये घर में शौचालय बनवाया। तब वे पूर्णतः भला–चंगा और स्वस्थ थे। कुछ दिन बाद चांग लकवाग्रस्त हो गए। मेहमानों के लिये बनवाया शौचालय अब चांग के बुढ़ापे का सहारा बन गया है। ब्राह्मणभेड़ी गांव के **दिव्यांग मिथलेष सेवता** ग्रामवासियों को यह संदेश देता था कि हम कुछ करें या न करें पर अपने घरों में शौचालय का निर्माण अवश्य करायें। इसके लिए मिथलेश ने नायाब तरीका अपनाया। ग्राम के सरपंच के सहयोग से उसने अपनी तिपहिया सायकिल में स्पीकर, म्यूजिक सिस्टम एवं थर्माकोल से बने टॉयलेट लगवाया। वह उस घर के सामने जाकर रूक जाता था जहां शौचालय नहीं बनाये गये थे। दिव्यांग मिथलेश के स्वच्छता के संदेश से प्रेरित होकर ग्रामवासी अपने घरों में शौचालय बनाने लगे।

अंबागढ़ चौकी क्षेत्र के आदिवासी हल्बा समाज ने यह संकल्प लिया है कि **बेटी का ब्याह उस घर में करेंगे जिस घर में शौचालय** होगा। 110 ग्रामों में हल्बा समाज के कुल 9500 लोग निवास करते हैं। हल्बा समाज द्वारा अपने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के घर शौचालय निर्माण में भी मदद की गई। इस ब्लॉक के बांधाबाजार गांव में घुमंतू दवार परिवार के लोग निवास करते हैं। घुमंतू लोगों को शौचालय के इस्तेमाल के लिए राजी करना दुरूह कार्य था। इन परिवारों के लिए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया। समाज के लोगों ने खुले में शौच के लिये जाने वालों पर 500 रूपये के दंड का प्रावधान किया। इन प्रयासों से देवार जाति के लोगों ने शौचालय का इस्तेमाल शुरू कर दिया।

खुले में शौच के लिये बाहर जाने की सदियों पुरानी आदत को छुड़वाना मुश्किल काम था। इसके लिये गांव वालों ने अपने गांवों में खुले में शौच में जाने से रोकने के लिये सामाजिक दबाव को भी अस्त्र बनाया। इस हेतु **ग्रामीण समुदाय ने ग्राम स्तर पर निगरानी समिति**, **बच्चों का निगरानी समुह** तैयार किया। निगरानी समिति सुबह व शाम उन स्थलों की निगरानी करती, जहॉ बहुदा लोग खुले में

शौच को जाते थे। ग्राम सभा में इस बावत प्रस्ताव भी पारित किया गया कि खुले में शौच न जाने हेतु ग्राम संकल्पित है, और इसका उलंघन करने वाले से 151 रूपये से लेकर 501 रूपये दंड लिया जाएगा। छोटे बच्चे गांव में सुबह–शाम सीटी बजाते हैं ताकि गांव का कोई भी व्यक्ति खुले में शौच के लिये बाहर न जाए। इसके सकारात्मक परिणाम आए और शर्मिंदगी से बंचने गांव वालों ने खुले में शौच जाने की प्रथा को त्याग दिया। अंबागढ़ चौकी विकासखण्ड के लोगो ने प्रधानमंत्री जी की उस बात को सिद्ध करके दिखाया जिसमें उन्होने यह कहा था कि **''यदि सब लोग ठान ले हमारे देश को कोई गंदा नहीं कर सकता।''**